Moments of life

फरिश्ता

HEALING
SELF
मैंने आसमा और समंदर के बीच
कोई ख्वाब नहीं देखा
मैं धड़कनों को
तेरी तमन्ना का नाम देता हूं ।

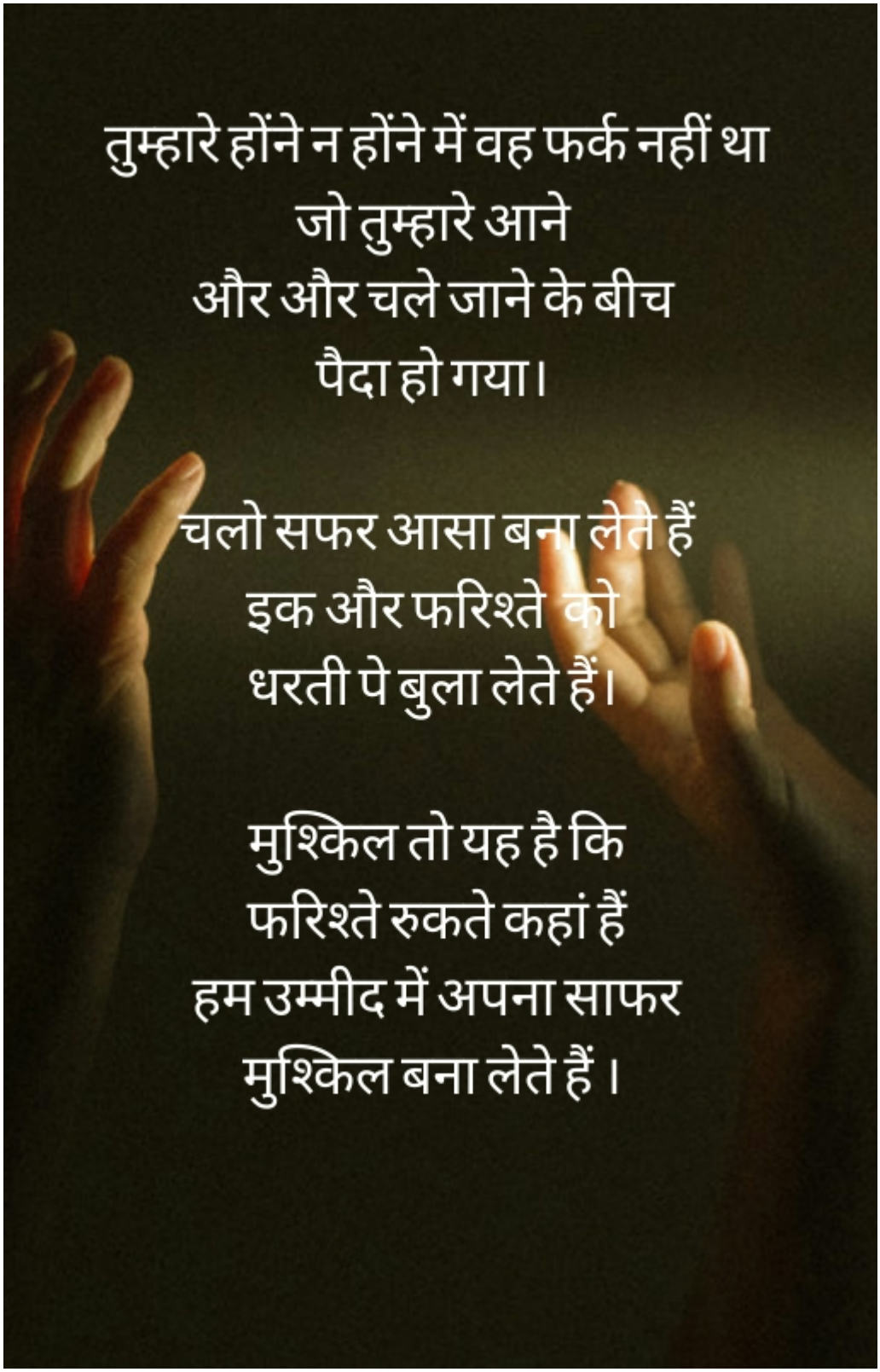
तुम्हारे होंने न होंने में वह फर्क नहीं था
जो तुम्हारे आने
और और चले जाने के बीच
पैदा हो गया।
चलो सफर आसा बना लेते हैं
इक और फरिश्ते को
धरती पे बुला लेते हैं।
मुश्किल तो यह है कि
फरिश्ते रुकते कहां हैं
हम उम्मीद में अपना साफर
मुश्किल बना लेते हैं ।

बेहद मीठी तड़प और ख्वाब का
अहसास जागा है,
क्या जी उठा हूँ जिंदगी फिर से
तुम्हारे साथ।
गुजर जाता हूँ उन लम्हों से हो कर
कि जिस ख्वाब को जीने की
इजाजत नहीं होती ।

बिना खेत हुए रोटी मिल जाती है,
बिना छत के लोग सो जाते हैं,
बिना नेट के काम चल जाता है।

ठीक वैसे ही एक दिन
बस कुछ लोगों के पास
किताबें होंगी और काम
चलता रहेगा ।
दुनियां बहुत अमीर होगी
लेकिन इसमें जी रहे लोग
गरीब हो जाएंगे।
उनके पास अभाव नहीं होगा,
बस किताबें नहीं होंगी।

TRUE LOVE STORY

इससे पहले कि तमन्ना
सांस लेना छोड़ दे
थोड़ी सी और जिंदगी
जीने की इजाजत दे दो।
Mission

बिना खेत हुए रोटी मिल जाती है,
बिना छत के लोग सो जाते हैं,
बिना नेट के काम चल जाता है।

ठीक वैसे ही एक दिन
बस कुछ लोगों के पास
किताबें होंगी और काम
चलता रहेगा ।
दुनियां बहुत अमीर होगी
लेकिन इसमें जी रहे लोग
गरीब हो जाएंगे।
उनके पास अभाव नहीं होगा,
बस किताबें नहीं होंगी।

TRUE LOVE STORY

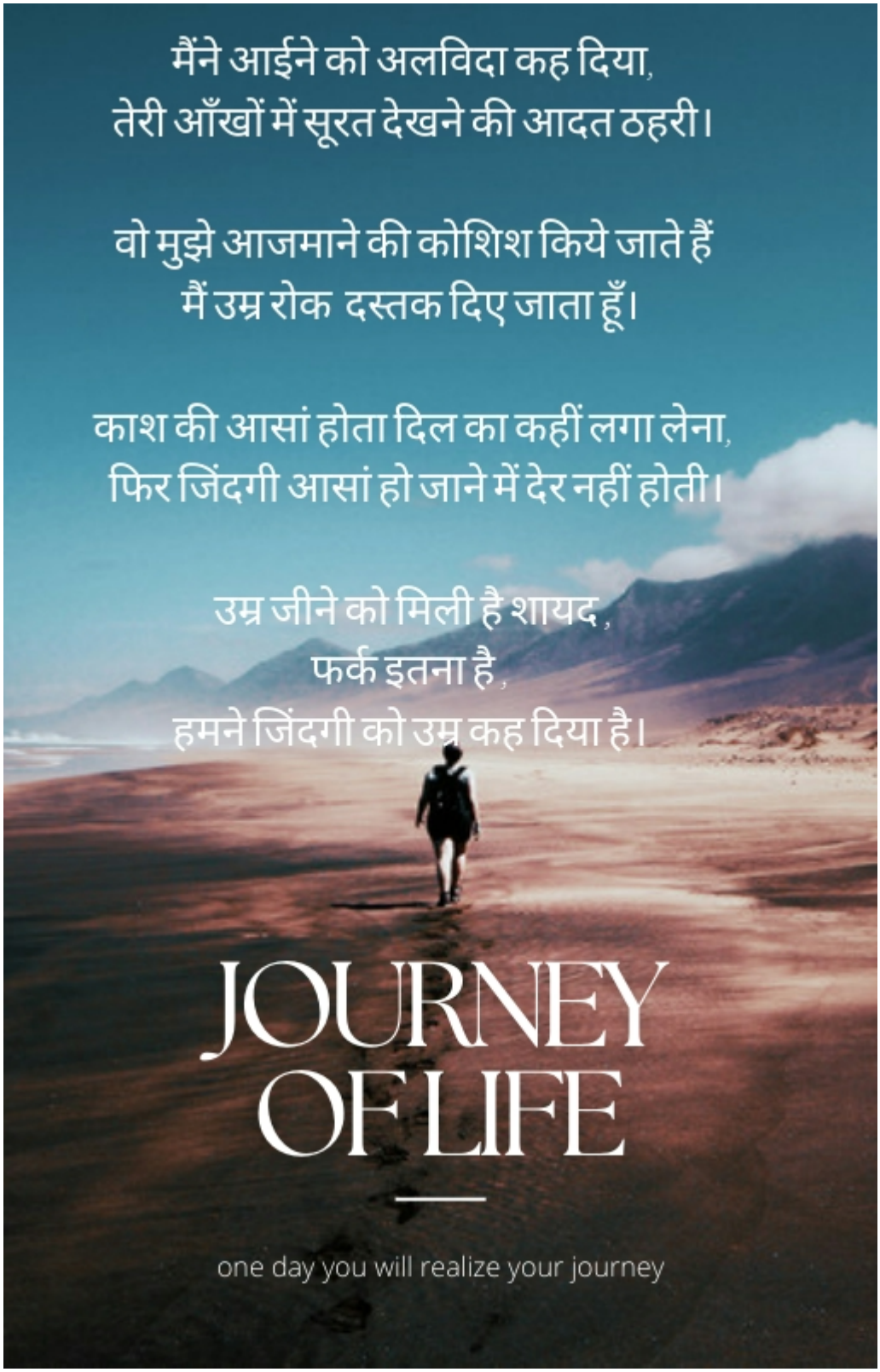
मैंने आईने को अलविदा कह दिया,
तेरी आँखों में सूरत देखने की आदत ठहरी।
वो मुझे आजमाने की कोशिश किये जाते हैं
मैं उम्र रोक दस्तक दिए जाता हूँ।
काश की आसां होता दिल का कहीं लगा लेना,
फिर जिंदगी आसां हो जाने में देर नहीं होती।
उम्र जीने को मिली है शायद,
फर्क इतना है,
हमने जिंदगी को उम्र कह दिया है।
JOURNEY
OF LIFE
one day you will realize your journey

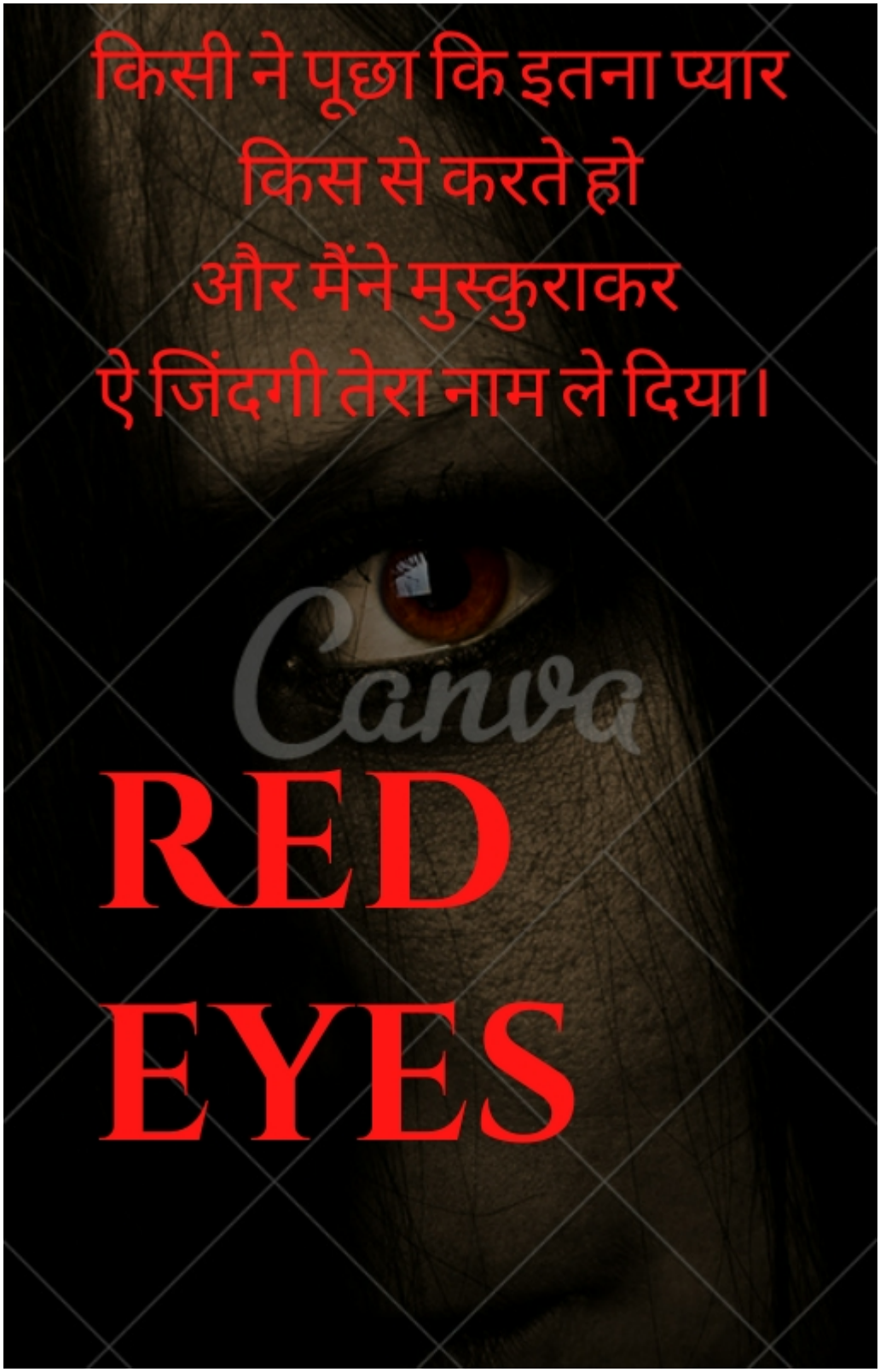
किसी ने पूछा कि इतना प्यार
किस से करते हो
और मैंने मुस्कुराकर
ऐ जिंदगी तेरा नाम ले दिया।
Canva
RED
EYES

मेरा दिल तेरे ख्वाबों का आइना ठहरा
उसकी उम्मीद बहुत छोटी है
जो सिर्फ तेरे आवाज की
ख़्वाहिश में सिमट जाती है ।
लोग कहते हैं मुझे याद रखना ऐ दोस्त
और मैं
सब कुछ भूल जाने की
तमन्ना लिए फिरता हूँ।

तुम न होते तो जिंदगी अधूरी रह जाती
मुकम्मल होने के लिए तुम्हारा होना जरूरी
था।
आंसुओं ने जो किताब लिखी
हर्फ उसके तेरे दामन में जा गिरे
अब अपनी किताब मांगने
तेरे दिल के दरवाजे पर
दस्तक दिए जाता हूँ।

मेरी आँखों में आंसू हैं,
तुम याद आते हो।
हर पल साथ हो कर भी
तुम मुझे याद आते हो।
तुम मुझे याद आते हो
जब देखता हूँ आईना
जब खाली होता है दिलो दिमाग
कि जब होता हूँ गहरे तनाव में
जब सब कुछ होता है मेरे पास
और
जब कुछ भी नहीं होता मेरे
पास
तुम मुझे याद आते हो ।

ठहरी हुई रात और बिस्तर
की सिलवटें,
आसमान के तड़पने में,
मेरी नींद भी शामिल ठहरी।
शुक्र है कि ख्वाब जिंदा हैं,
वर्ना ये जिंदगी, दर्द का
आईना होती।

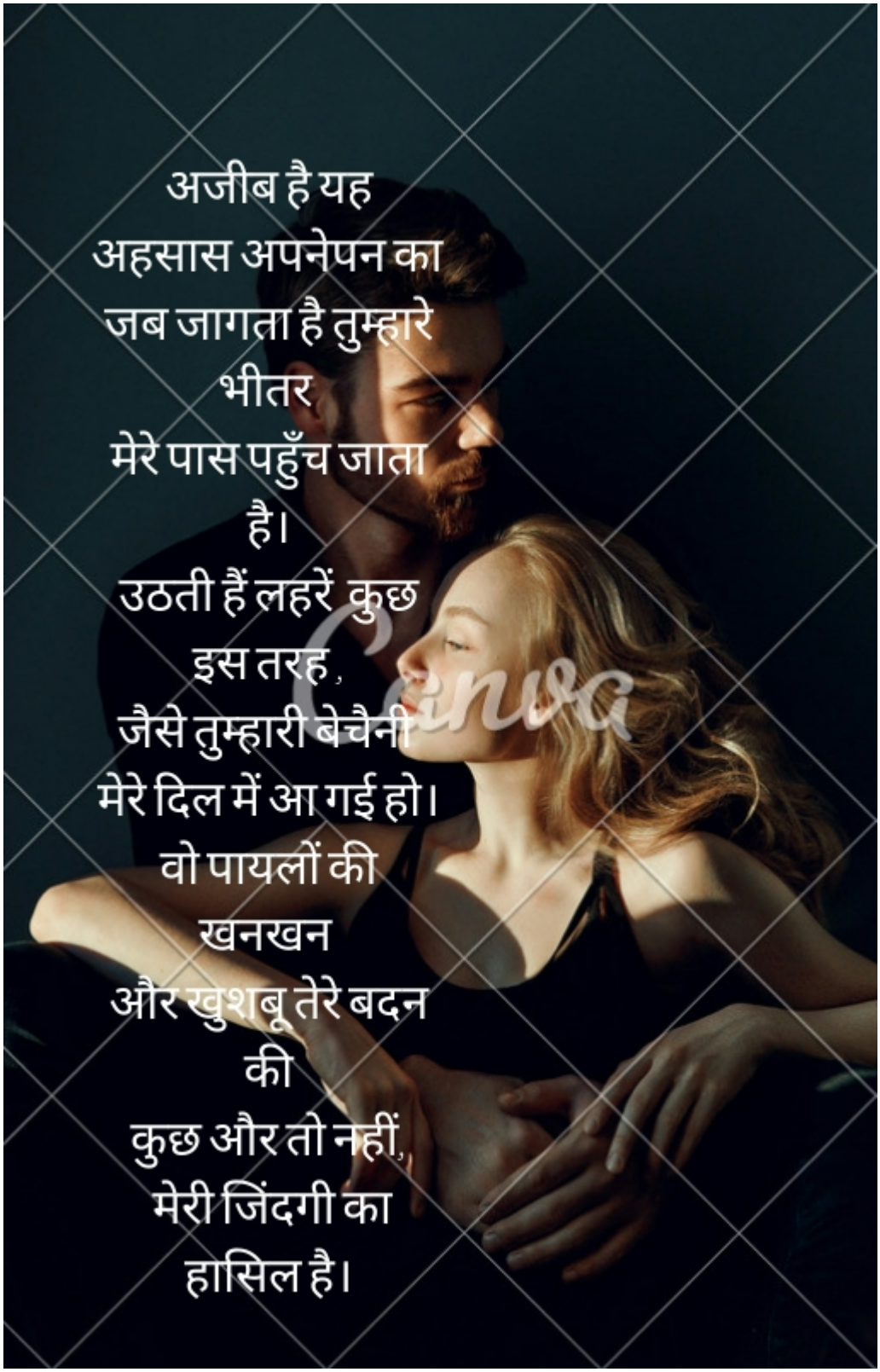
अजीब है यह
अहसास अपनेपन का
जब जागता है तुम्हारे
भीतर
मेरे पास पहुँच जाता
है।
उठती हैं लहरें कुछ
इस तरह,
जैसे तुम्हारी बेचैनी
मेरे दिल में आ गई हो।
वो पायलों की
खनखन
और खुशबू तेरे बदन
की
कुछ और तो नहीं,
मेरी जिंदगी का
हासिल है।

इस से पहले कि बिखर जाते लम्हे
मैंने तेरे आँचल में छुपा दीं बातें।
न जाने क्यों तुम्हें छूने की तड़प
और अधूरे ख्वाब मेरी
जिंदगी का हिस्सा हैं।

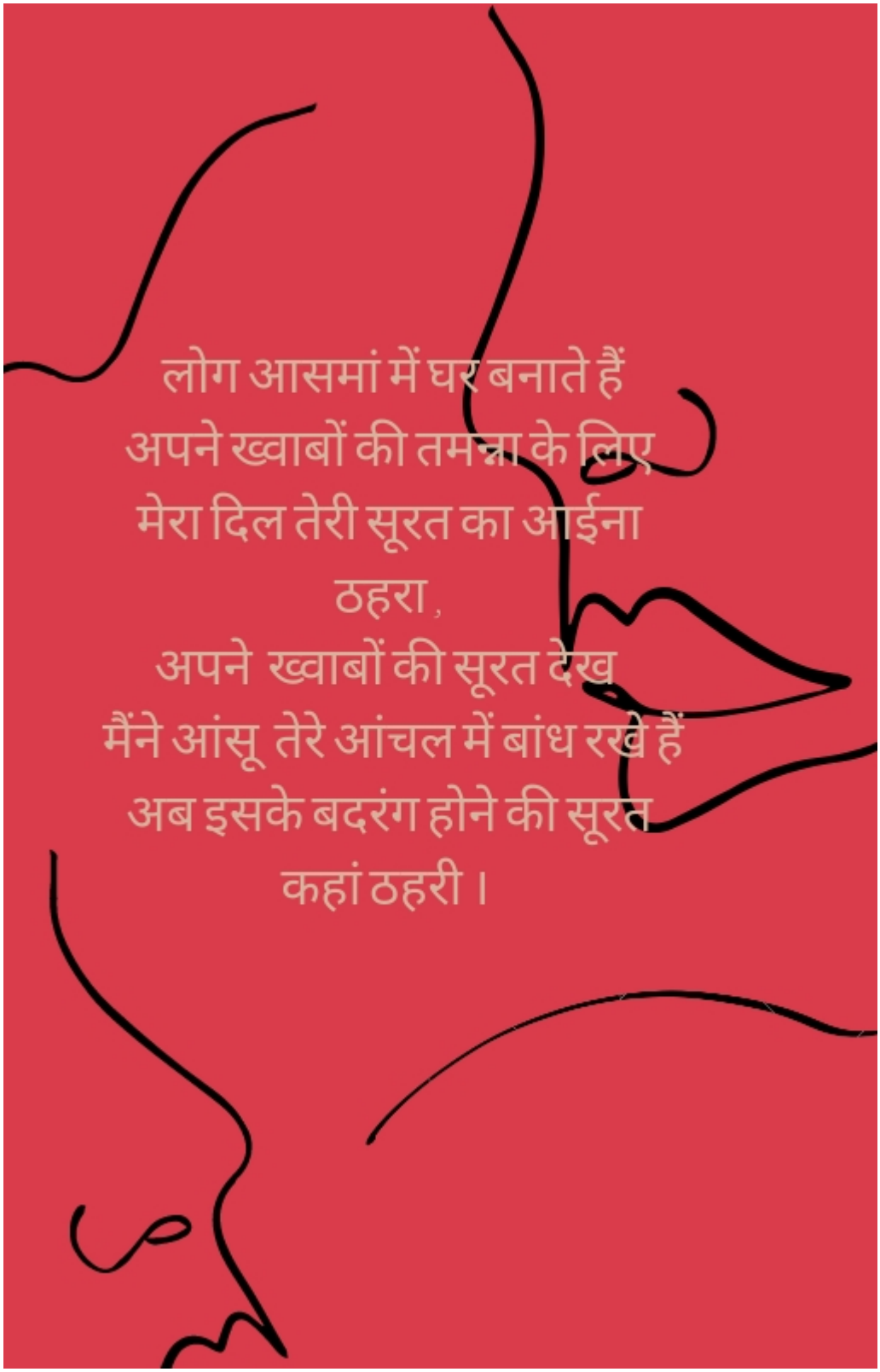
लोग आसमां में घर बनाते हैं
अपने ख्वाबों की तमन्ना के लिए
मेरा दिल तेरी सूरत का आईना
ठहरा ,
अपने ख्वाबों की सूरत देख
मैंने आंसू तेरे आंचल में बांध रखे हैं
अब इसके बदरंग होने की सूरत
कहां ठहरी ।

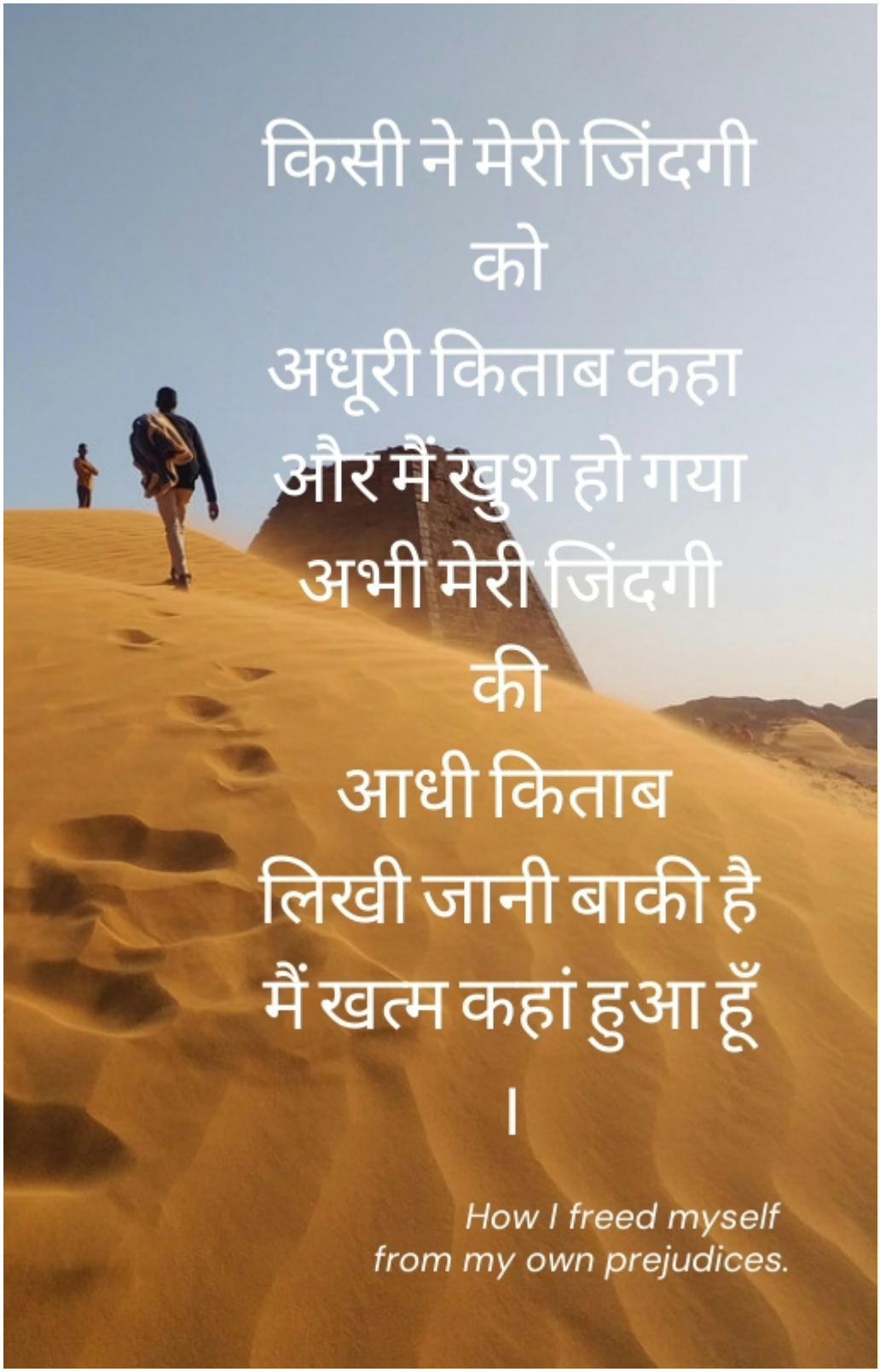
किसी ने मेरी जिंदगी
को
अधूरी किताब कहा
और मैं खुश हो गया
अभी मेरी जिंदगी
की
आधी किताब
लिखी जानी बाकी है
मैं खत्म कहां हुआ हूँ
।
How I freed myself
from my own prejudices.

तुम भी तो उस आग में
थोड़ा सा जलते होगे
कि जिस आग में जलकर
मैं कुंदन हुआ जाता हूँ,

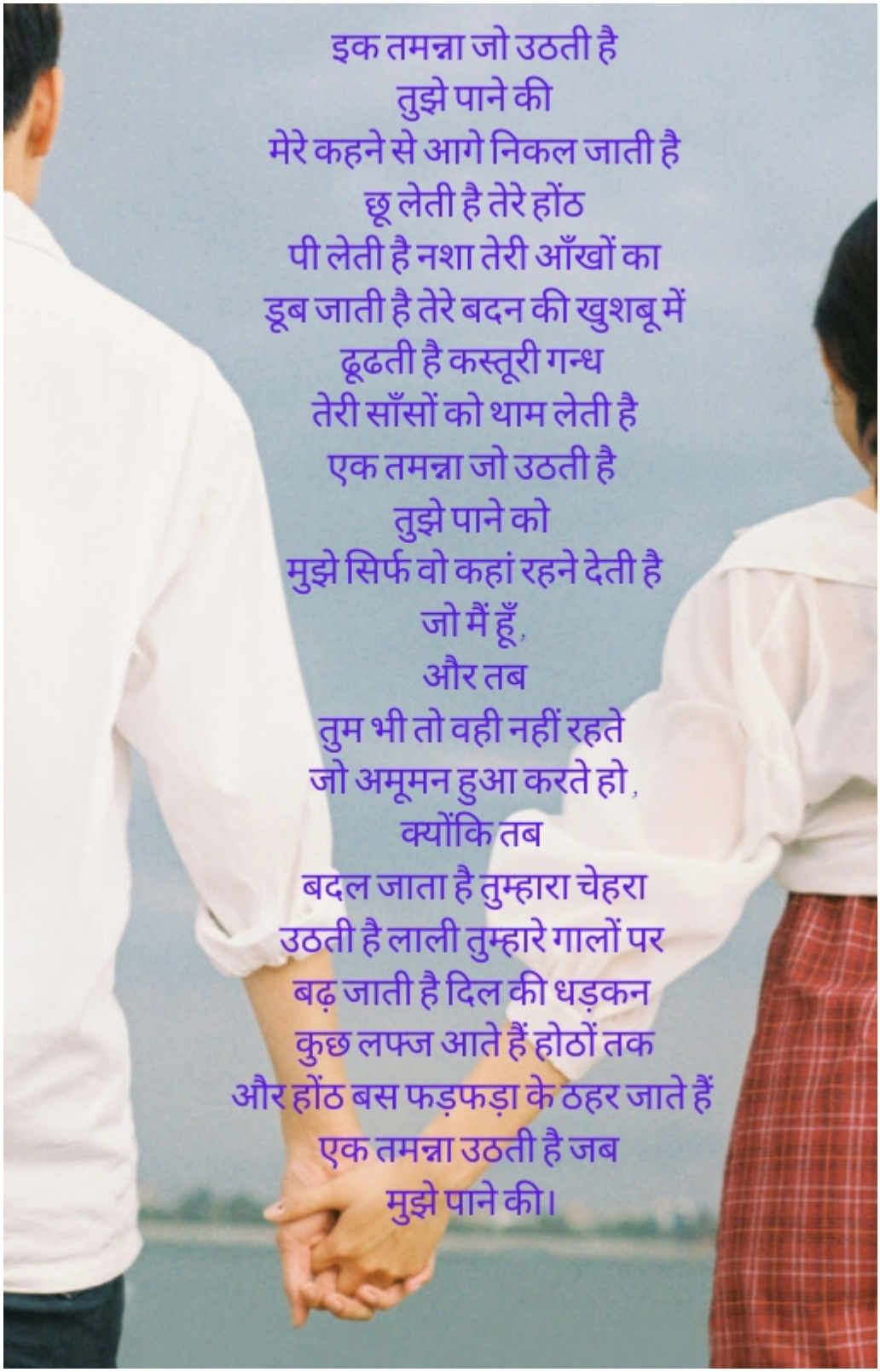
इक तमन्ना जो उठती है
तुझे पाने की
मेरे कहने से आगे निकल जाती है
छू लेती है तेरे होंठ
पी लेती है नशा तेरी आँखों का
डूब जाती है तेरे बदन की खुशबू में
ढूढती है कस्तूरी गन्ध
तेरी साँसों को थाम लेती है
एक तमन्ना जो उठती है
तुझे पाने को
मुझे सिर्फ वो कहां रहने देती है
जो मैं हूँ,
और तब
तुम भी तो वही नहीं रहते
जो अमूमन हुआ करते हो,
क्योंकि तब
बदल जाता है तुम्हारा चेहरा
उठती है लाली तुम्हारे गालों पर
बढ़ जाती है दिल की धड़कन
कुछ लफ्ज आते हैं होठों तक
और होंठ बस फड़फड़ा के ठहर जाते हैं
एक तमन्ना उठती है जब
मुझे पाने की।

तुम्हारे पांव की पायल से
इक घुंघरू उठा लाया हूँ
कानों में बज रही उसकी
खन खन
मुझे सोने कहां देती है

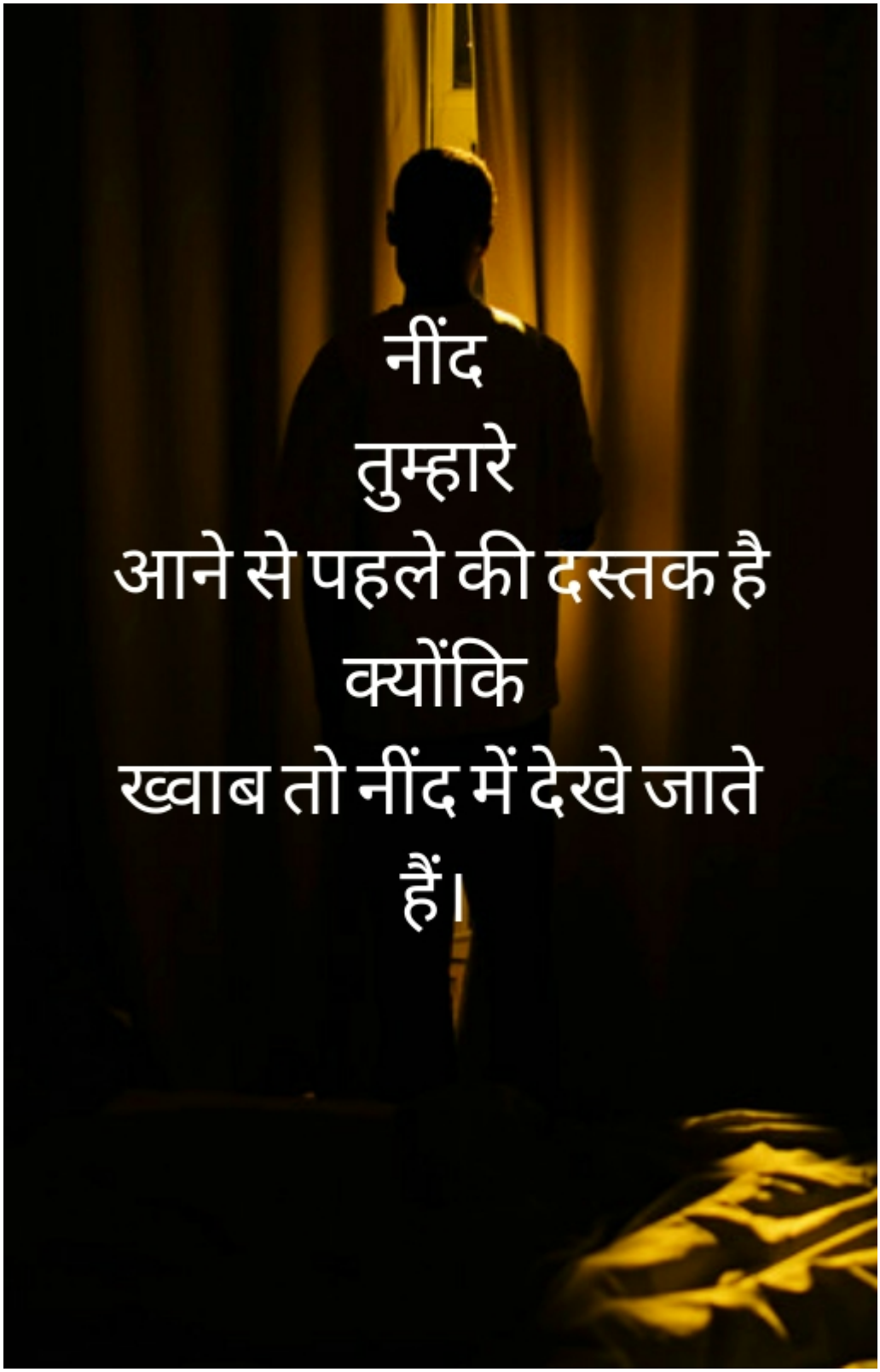
नींद
तुम्हारे
आने से पहले की दस्तक है
क्योंकि
ख्वाब तो नींद में देखे जाते
हैं।

तुमसे दूर जाने में
एक ही डर है।
मेरी जिंदगी से
मोहब्बत नाम का शब्द
खत्म हो जाएगा।

गुनाहों की फेहरिस्त
थोड़ी लंबी कर लूँ
सुना है बेगुनाह लोग
जन्नत में चले जाते हैं

MEMORIES
चादर में सिमटी अकेली
रात
तेरे बदन की
चांदनी में नहा जाती है
तेरे बदन की चांदनी में नहा
जाती है।
जबकि तुम कहीं नहीं होते
कभी नहीं होते ।

ये इश्क के अफसाने और
मोहब्बत के फसाने
तेरी गलियों में कैद हैं
हम तो जोशे जुनू ले के
निकले हैं
इक नया जहां बसाने को

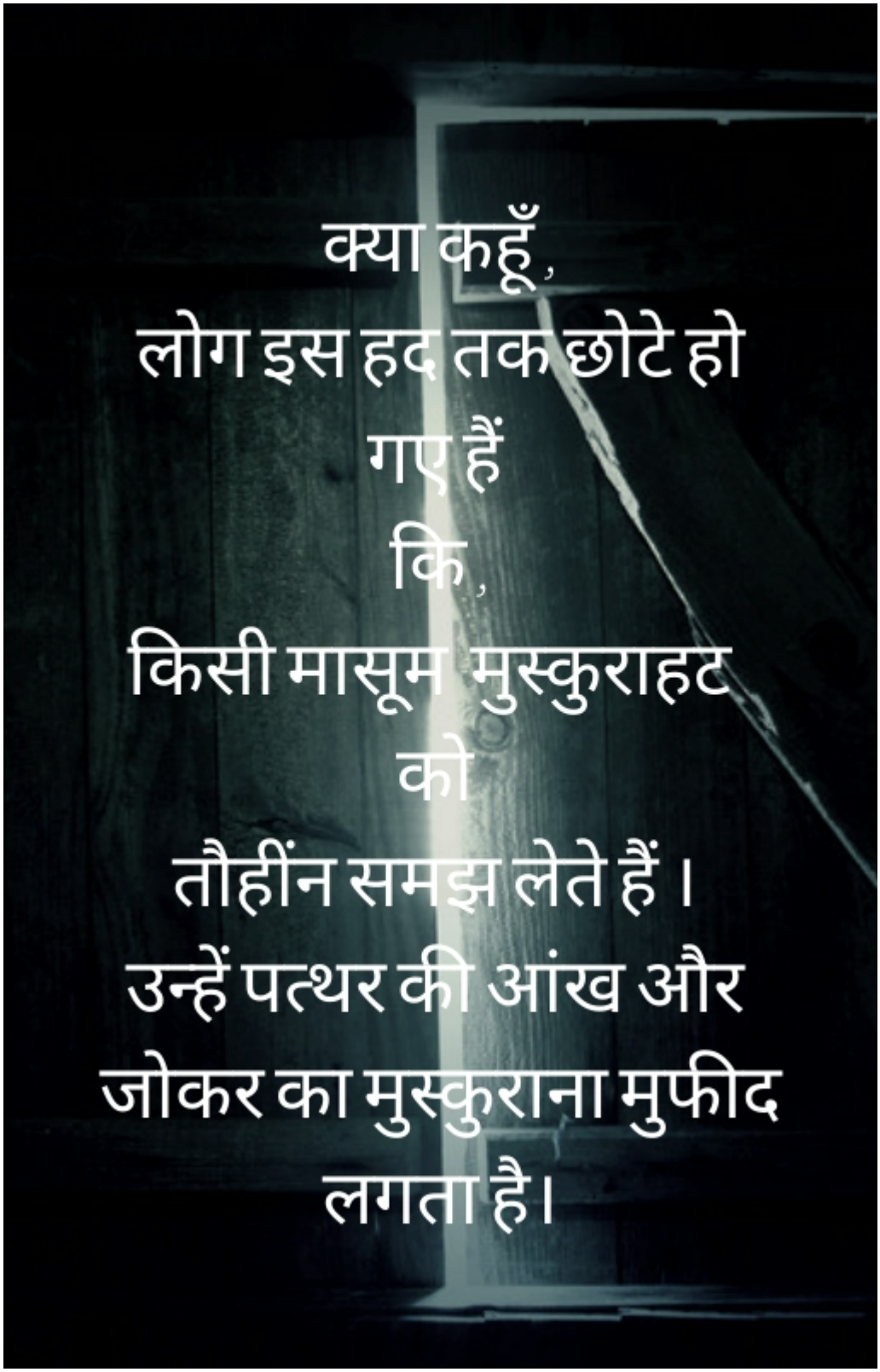
क्या कहूँ,
लोग इस हद तक छोटे हो
गए हैं
कि,
किसी मासूम मुस्कुराहट
को
तौहींन समझ लेते हैं ।
उन्हें पत्थर की आंख और
जोकर का मुस्कुराना मुफीद
लगता है।

कुछ अधूरी तमन्नाओं का
होंना भी जरूरी है,
वर्ना इस जिन्दगी में जीने को
क्या बचेगा।

मेरे चेहरे पर पड़ती है जब
तेरे चेहरे की लाली
ऐसा लगता है जैसे
सुबह का सिंदूरी सूरज
मेरे चेहरे पे उतर आया है।

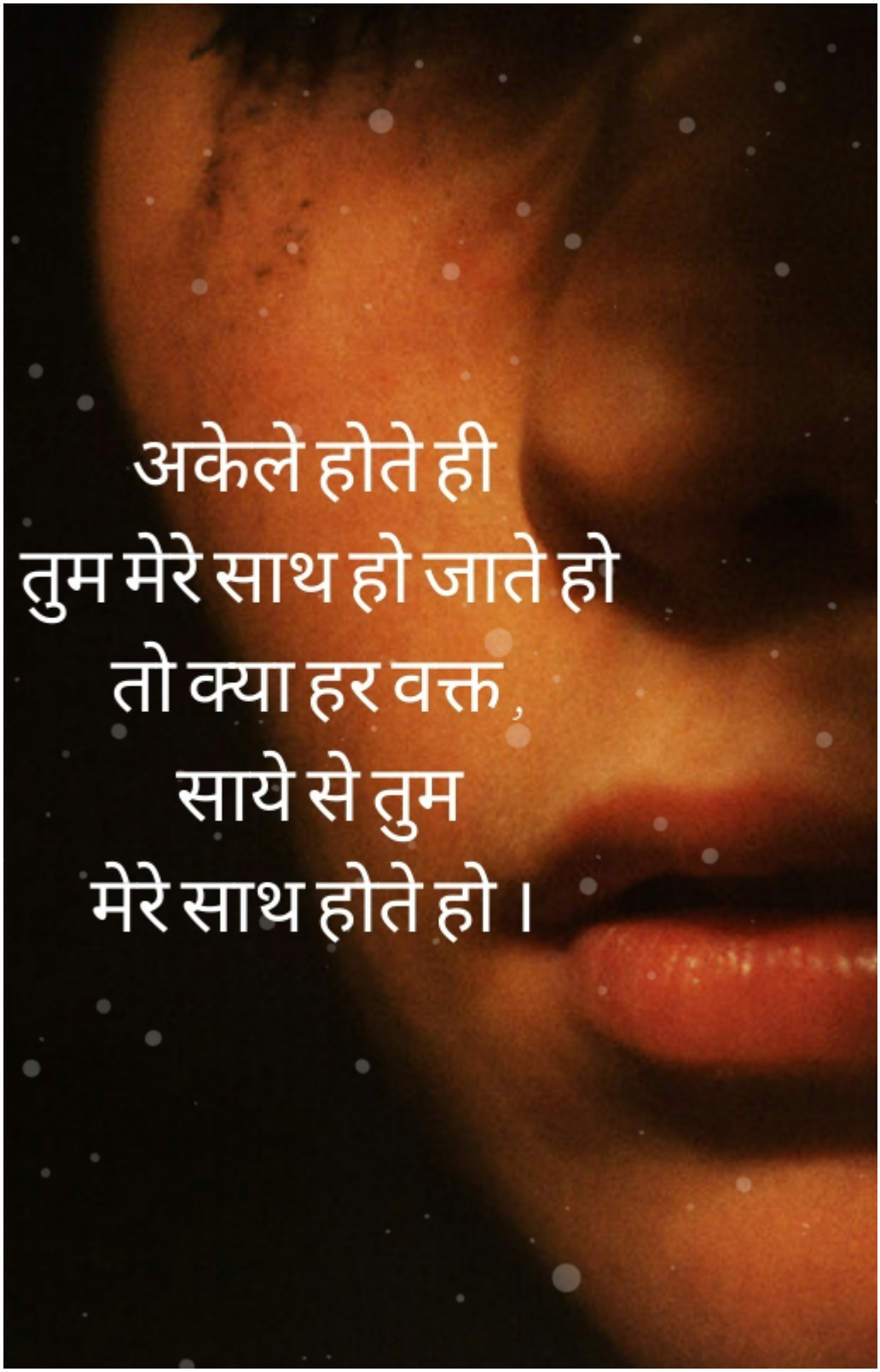
अकेले होते ही
तुम मेरे साथ हो जाते हो
तो क्या हर वक्त,
साये से तुम
मेरे साथ होते हो।

हैसला है तो मेरे साथ चलो
इस दुनियां में कभी शाम
नहीं होती

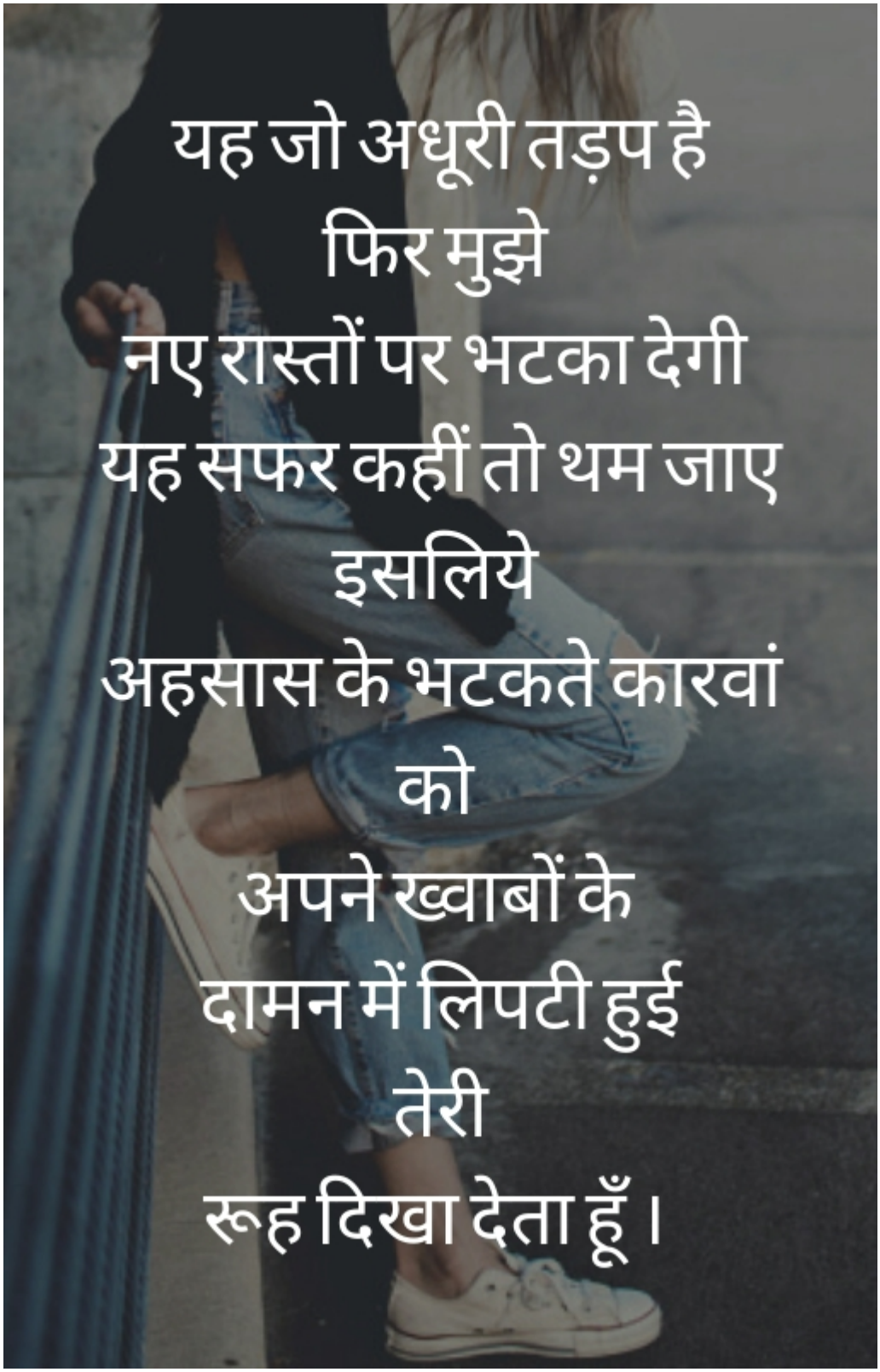
यह जो अधूरी तड़प है
फिर मुझे
नए रास्तों पर भटका देगी
यह सफर कहीं तो थम जाए
इसलिये
अहसास के भटकते कारवां
को
अपने ख्वाबों के
दामन में लिपटी हुई
तेरी
रूह दिखा देता हूँ ।

बहुत खूबसूरत लम्हे
दिए हैं
तुमने
जब अकेला हुआ तो
दर्द याद आया।

यकींन करो
तुम बदल गए
लेकिन
मैंने अभी तक
अपना पासवर्ड
नहीं बदला।

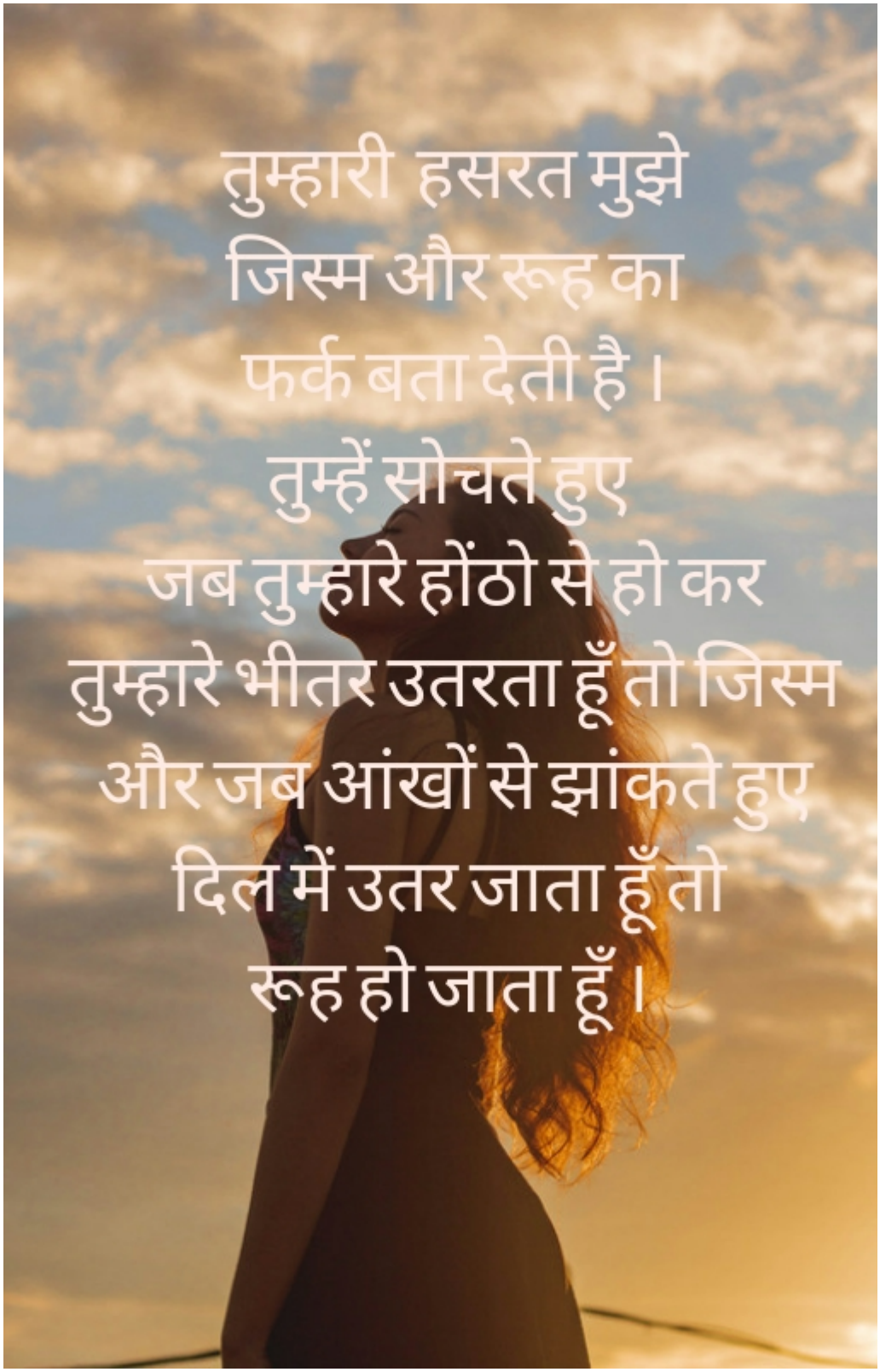
तुम्हारी हसरत मुझे
जिस्म और रूह का
फर्क बता देती है ।
तुम्हें सोचते हुए
जब तुम्हारे होंठो से हो कर
तुम्हारे भीतर उतरता हूँ तो जिस्म
और जब आंखों से झांकते हुए
दिल में उतर जाता हूँ तो
रूह हो जाता हूँ ।

क्या कहूँ
क्या खोया
क्या पाया ,
कुछ लोग खून से सने हाथ
साबुन से धो कर ,
पाक साफ हो गए ,
एक बेगुनाह के कत्ल का
फैसला लिख कर ,

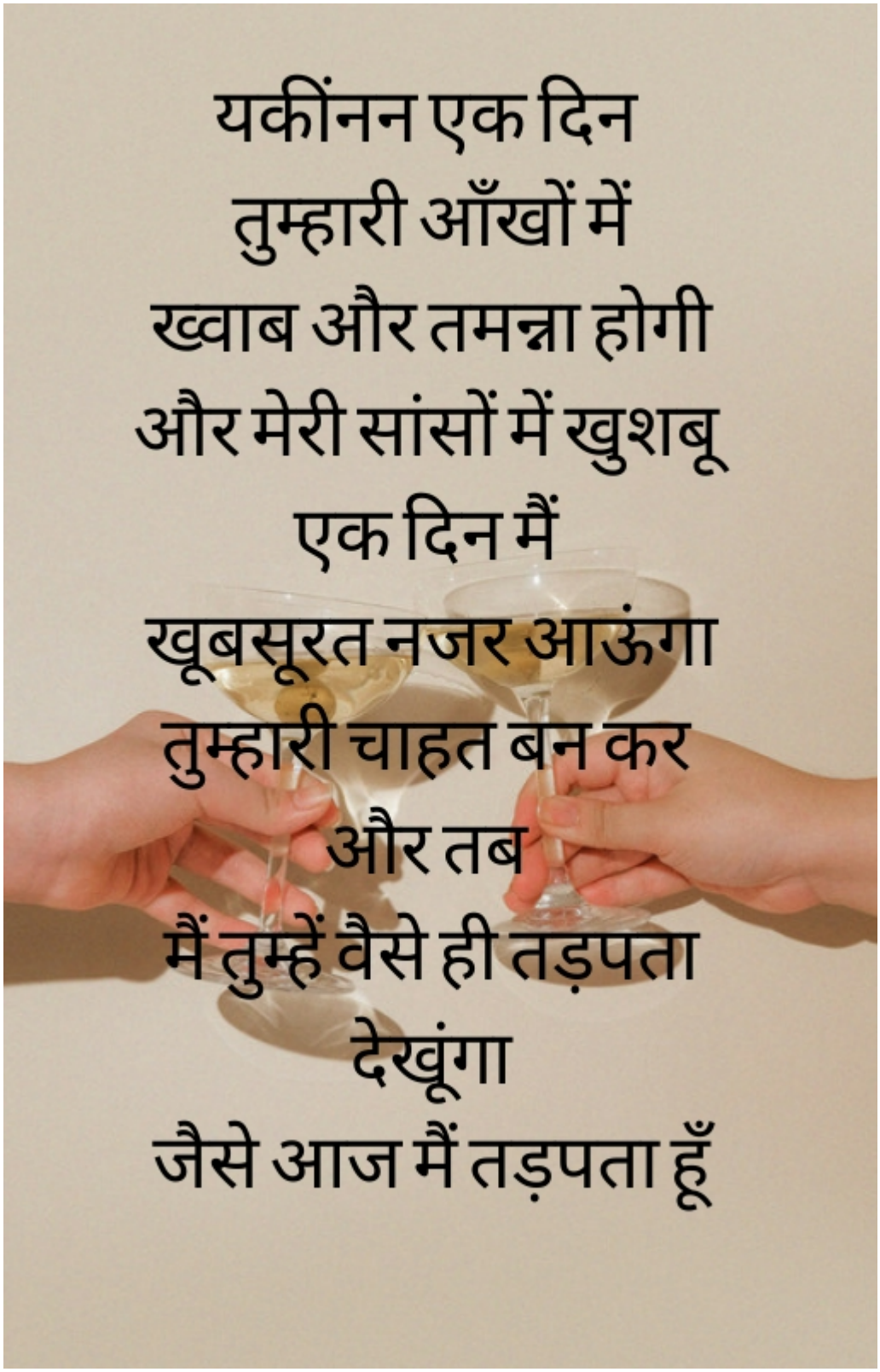
यकींनन एक दिन
तुम्हारी आँखों में
ख्वाब और तमन्ना होगी
और मेरी सांसों में खुशबू
एक दिन मैं
खूबसूरत नजर आऊंगा
तुम्हारी चाहत बन कर
और तब
मैं तुम्हें वैसे ही तड़पता
देखूंगा
जैसे आज मैं तड़पता हूँ

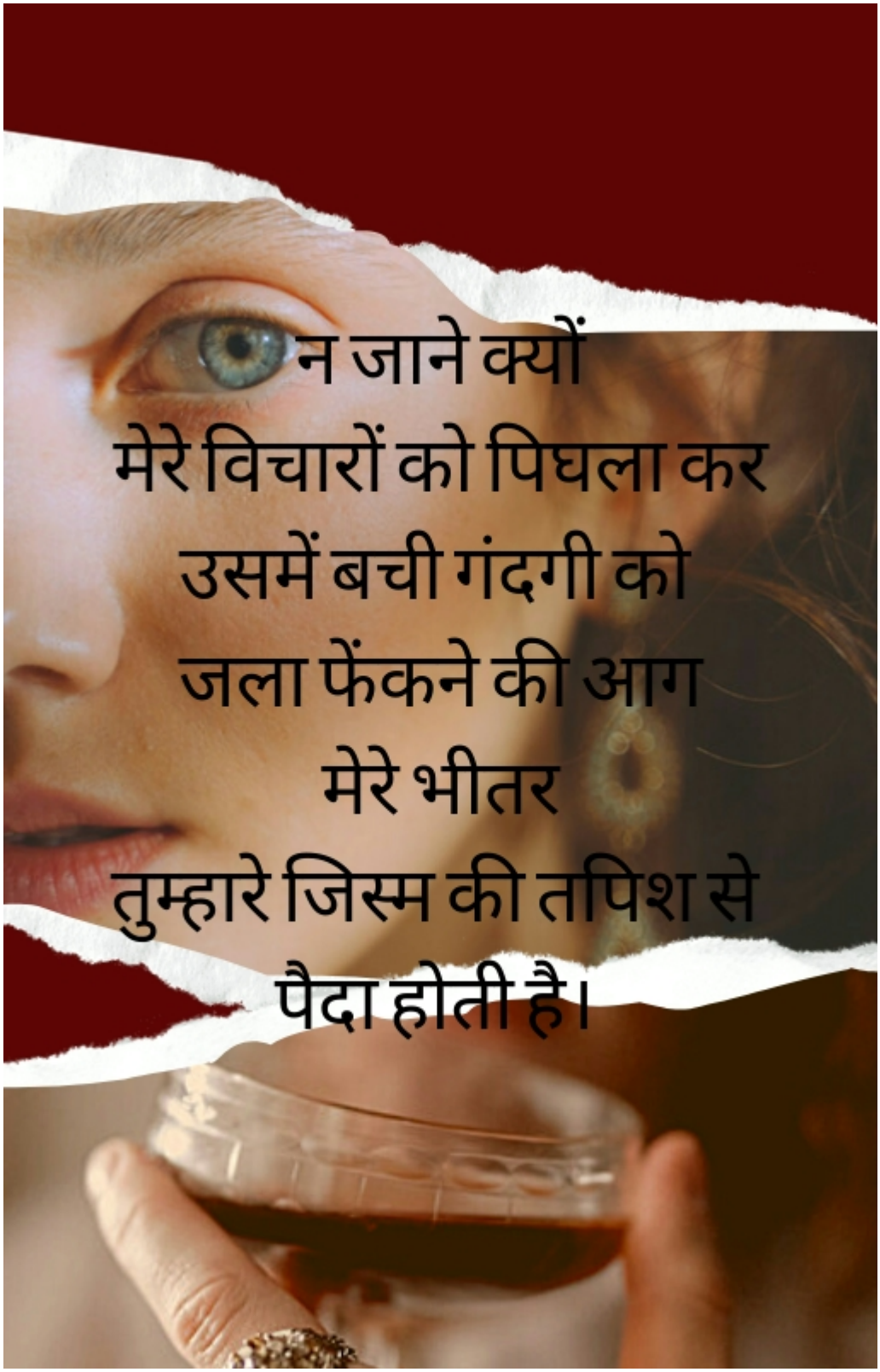
न जाने क्यों
मेरे विचारों को पिघला कर
उसमें बची गंदगी को
जला फेंकने की आग
मेरे भीतर
तुम्हारे जिस्म की तपिश से
पैदा होती है।

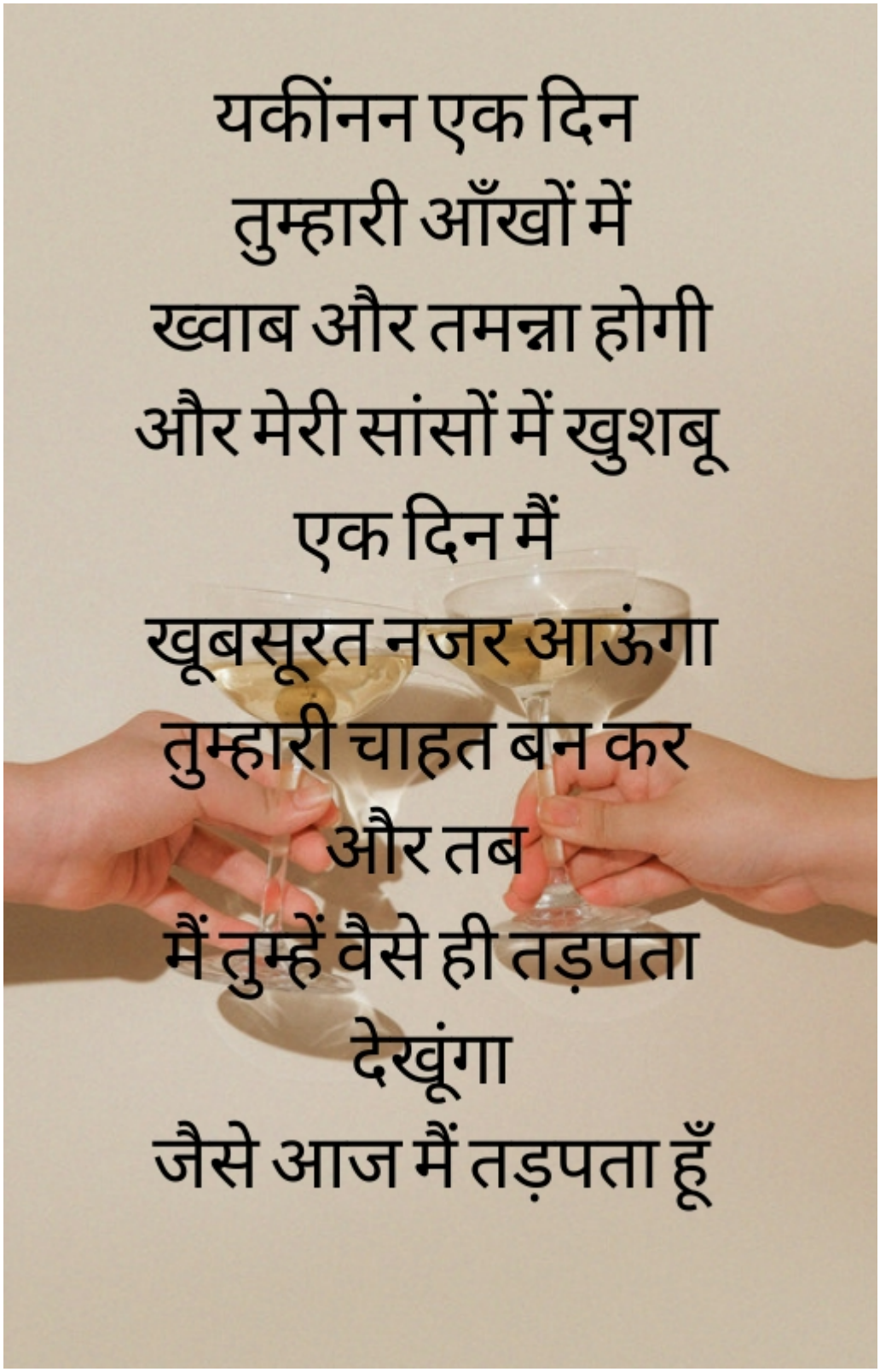
यकींनन एक दिन
तुम्हारी आँखों में
ख्वाब और तमन्ना होगी
और मेरी सांसों में खुशबू
एक दिन मैं
खूबसूरत नजर आऊंगा
तुम्हारी चाहत बन कर
और तब
मैं तुम्हें वैसे ही तड़पता
देखूंगा
जैसे आज मैं तड़पता हूँ

मुझे अपने ही सपनों के
बिखर जाने का वह दर्द नहीं
होता
जो मेरे सपनों से जुड़े
दूसरों के सपनों के टूट जाने
का है

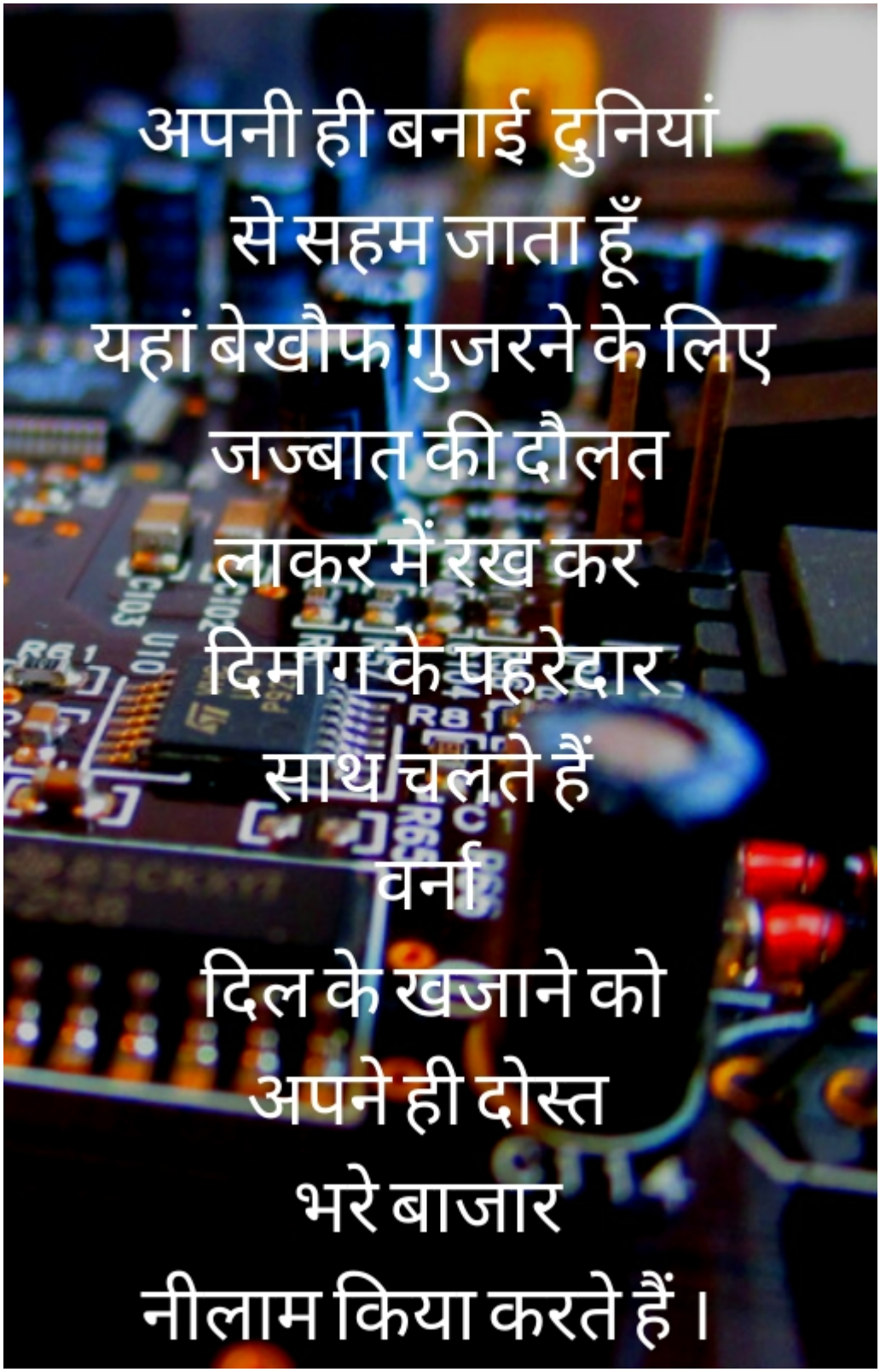
अपनी ही बनाई दुनियां
से सहम जाता हूँ
यहां बेखौफ गुजरने के लिए
जज्बात की दौलत
लाकर में रख कर
दिमाग के पहरेदार
साथ चलते हैं
वर्ना
दिल के खजाने को
अपने ही दोस्त
भरे बाजार
नीलाम किया करते हैं ।

मैं वक्त की इबारत लिखने
उतरा हूँ,
मेरी निगाह में
तुम्हारी आँखों की
मुस्कुराहट कैद है